an>

Title: Need to provide compensation to people distressed due to mining activities in Kanker Parliamentary Constituency, Chattisgarh.

श्री विक्रम उसेंडी (कांकेर) ः छत्तीसगढ़ राज्य जिला उत्तर बस्तर कांकेर के अंतर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र कच्चे, मरकाटोला, तह. भानुप्रतापपुर के आरीडोंगरी आयरन और माइन्स एवं ग्राम हाहालदी, चाहचड़ तह. दुर्गकोंदल में आयरन और माइपस को लीज में लेकर उत्खनन का कार्य वर्तमान में तेजी से चल रहा है। इन दोनों खदानों में उत्खनन से वर्षा ऋतु में आयरन युक्त लाल पानी उत्खन्न के स्थान से बहकर हज़ारों किसानों के खेतों में आने से किसानों के खेत बंजर हो रहे हैं। वहां धान सहित अन्य फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। जिससे वहां के कृषकों में भारी नाराज़गी है। माइन्स प्रबंधक द्वारा कोई मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा है। उसके साथ ही साथ माइन्स प्रबंधक द्वारा उत्खनन हेतु जो बारूद जिलेटिन से ब्लास्ट किया जाता है उससे वहां के निवासी खासकर कच्चे आवास पारा में रहने वाले अधिकतर आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों के मकानों की दीवारों एवं छतों में दरार पड़ गई हैं जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। माइन्स प्रबंधन द्वारा इस समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खनिज विभाग एवं माइन्स प्रबंधन वहां रहने वाले आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग के लोगों को कोई मुआवजा एवं अन्य सुविधाएं मुहैया नहीं करवा रहे हैं। उक्त दोनों स्थानों पर जो उत्खन्न का कार्य चल रहा है वहां पर आयरन युक्त लाल पानी को रोकने हेतु स्थाई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे कृषकों के खेतों में आयरन युक्त लाल पानी न जाए। कृषकों के मकान कैूक हो गये हैं उनका मुआवजा मिले और भविष्य में उनके मकान कैूक न हें ऐसी कोई व्यवस्था करनी चाहिए। वहां पर कृषकों के खेतों में आयरन युक्त लाल पानी जाने, मकान का कैूक होने व वहां खनन कार्य से उड़ने वाली धूल से वहां के पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने के साथ ही वहां लोगों को कई प्रकार की बीमारियां भी हो रही हैं जिससे उनका स्वास्थ्य खराब हो रहा है। जिसके कारण वहां के लोगों में माइन्स प्रबंधन के खिलाफ भी अत्यंत नाराज़गी बढ़ती जा रही है। माइन्स प्रबंधन द्वारा करोड़ों की आय होने के बाद भी वहां के स्थानीय एवं आम जनता की परेशानियां एवं मूलभूत समस्या के प्रति ध्यान नहीं देने से लोगों में अत्यंत रोष व्याप्त है। आने वाले दिनों मे वहां आम जनता, कृषकों के द्वारा आंदोलन करने की चेतावनी दी जा रही है। इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए एवं दोषियों पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। शीघ्र ही उक्त समस्या का निराकरण करायें जिससे लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।